न्यूज डायरी

इस्लामिक स्टेट में शामिल हुए 66 भारतीय मूल के आतंकवादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। सीरिया से लेकर इराक तक हमले कर रहे वैश्विक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट में अबतक 66 भारतीय मूल के लड़ाकों के होने की जानकारी मिली है। यह दावा अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आतंकवाद पर जारी नवीनतम रिपोर्ट में किया है। इसके साथ ही रिपोर्ट में एनआईए सहित भारत के आतंकवाद रोधी एजेंसियों की सक्रियता से अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय आतंकवादी ताकतों को पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए सराहना की है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बृहस्पतिवार को आतंकवाद पर देशों की रिपोर्ट 2020 जारी किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव यूएनएससीआर 2309 को और हवाई अड्डों पर सामान की अनिवार्य 'डुअल स्क्रीन एक्स रे' से जांच क्रियान्वित करने में अमेरिका से गठबंधन कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 2309 सरकारों से नागरिकों की हवाई यात्रा के दौरान सुरक्षा को सुनिश्चित करने का आह्वान करता है।

जापान के ओसाका शहर में 8 मंजिला इमारत में लगी आग, 27 लोगो की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान के ओसाका शहर में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। जापान के लोकल मीडिया ने बताया कि ओसाका शहर की एक इमारत में आग लगने से 27 लोगों की मौत होने की आशंका है। जापानी समय के मुताबिक, सुबह 10.18 मिनट पर इमारत की चौथी मंजिल पर आग लगने खबर सामने आई। जापान के चैनल एएचके ने बताया कि जेआर ओसाका स्टेशन के पास एक आठ मंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर आग लग गई। घटना में 28 लोगों के हताहत होनी की आशंका है, जिसमें से 27 लोगों के ह्रदय और फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया है। इससे उकी मौत हो गई। आग ने इमारत के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे इमारत का काफी नुकसान होनी की उम्मीद है। आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया गया।

अमेरिका ने उइगरों के उत्पीड़न के विरोध में चीन पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका की बाइडन सरकार ने गुरुवार को चीन की कई बायोटेक, सर्विलांस कंपनियों और कई सरकारी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिए। प्रतिबंध की यह कार्रवाई शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों पर चीन के अत्याचारों के विरोध में की गई है। इन प्रतिबंधों के चलते दायरे में आई कंपनियां अमेरिकी अर्थतंत्र में व्यापार नहीं कर पाएंगी। यदि किसी कंपनी की अमेरिका में संपत्ति है तो वह जब्त कर ली जाएगी। इसी प्रकार से प्रतिबंधित अधिकारी अमेरिका की यात्रा नहीं कर पाएंगे और अगर उनकी संपति अमेरिका में होगी तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने चीन की एकेडमी आफ मिलिटरी मेडिकल साइंसेज और 11 अन्य शोध संस्थानों को प्रतिबंधित किया है।

पोलैंड में मिले डायनासोर के पैरों के हजारों निशान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉर्सा। कभी धरती पर राज करने वाले डायनासोर के पैरों के हजारों निशान पोलैंड में मिले हैं। यही नहीं डायनासोर की पपड़ीदार त्वचा को भी आसानी से देखा जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि डायनासोर के पैरों के इन निशान से 20 करोड़ साल पहले के पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में नई जानकारी मिल सकती है। पोलैंड के भूगर्भ संस्थान नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने इसे खजाना करार दिया है। जीवाश्म बन चुके रास्ते और हड्डियां राजधानी वार्सा से 130 किमी दक्षिण में स्थित बोर्कोवाइस इलाके में एक खुली खदान में पाए गए हैं। भूगर्भविज्ञानी ग्रजेगोर्ज ने कहा, डायनासोर द्वारा छोड़े गए पैर के निशान से आप डायनासोर के व्यवहार और आदतों का पता लगा सकते हैं। हमारे पास डायनासोर के भागने, तैरने, आराम करने और बैठने के निशान हैं।श मांस खाने वाले इन डायनासोर के सबसे बड़े पैरों के निशान 40 सेंटीमीटर या 15.7 इंच लंबा है।

सऊदी अरब के बिना ताज के बादशाह बने मोहम्मद बिन सलमान

स्वागत

सऊदी अरब के राजकुमार मोहम्मद बिन सलमान दुनियाभर के नेताओं का कर रहे है स्वागत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रियाद। अक्सर विवादों में रहने वाले सऊदी अरब के राजकुमार मोहम्मद बिन सलमान दुनियाभर के नेताओं का स्वागत कर रहे हैं और शिखर बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं। मोहम्मद बिन सलमान अपने बुजुर्ग और बीमार पिता राजा सलमान से देश की कमान अपने हाथ में ले रहे हैं और सऊदी अरब के बिना ताज के बादशाह बन गए हैं। प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (36) ये कदम ऐसे समय पर उठा रहे हैं जब उनके 86 साल के पिता किंग सलमान बहुत बीमार चल रहे हैं। किंग सलमान अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में बहुत ही कम दिखाई देते हैं। जून 2017 में राजकुमार बनाए जाने के बाद से ही प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को देश का वास्तविक राजा माना जाने लगा था। इसी महीने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात और मंगलवार को गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल शिखर बैठक का नेतृत्व करने के बाद मोहम्मद बिन सलमान की शोहरत और ज्यादा बढ़ गई है।

कोरोना काल में राजा सलमान निओम शहर में रह रहे: आमतौर पर किंग सलमान हर साल होने वाली इस बैठक में हिस्सा लेते थे लेकिन वह इस बार नहीं दिखाई दिए। सऊदी मामलों की जानकार यास्मिन फारूक कहती हैं कि एक क्राउन प्रिंस देश का असली शासक होता है लेकिन वह तभी विदेशी राष्ट्रपतियों से मुलाकात करता है और शिखर बैठकों में हिस्सा लेता है जब सऊदी राजा का स्वास्थ्य ठीक नहीं होता है। उन्होंने कहा, इसमें नया यह है कि अब राष्ट्रीय स्तर पर और मीडिया में एक समानांतर स्वीकार्यता मिल गई है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि राजा सलमान के रहते हुए भी क्राउन प्रिंस के सभी जिम्मेदारियों को निभाने पर सहमति है। दुनिया में कोरोना वायरस जब से फैला है, राजा सलमान निओम शहर में रह रहे हैं जिसे लाल सागर के तट पर भविष्य की जरूरतों के आधार पर बनाया गया है। उन्होंने अंतिम बार मार्च 2020 में रियाद में ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश मंत्री डोमिनिक राब से मुलाकात की थी। वह जनवरी 2020 में अंतिम बार विदेश यात्रा पर ओमान गए थे। प्रिंस मोहम्मद ने खुद को उदारवादी इस्लाम का रहनुमा के रूप में विकसित किया है। हालांकि उनकी अंतरराष्ट्रीय ख्याति उस समय गर्त में चली गई थी जब सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या की गई।

सऊदी और इजरायल संबंधों को कर रहे मजबूत: इजरायल और सऊदी के बीच हाल के कुछ साल में द्विपक्षीय संबंध बेहतर हुए हैं। सऊदी अरब और इजरायल दोनों ईरान के परमाणु हथियार बनाने का विरोध करते हैं। इसके अलावा ये दोनों देश यमन, सीरिया, इराक और लेबनान में ईरान की आकांक्षाओं के विस्तार को लेकर भी चिंतित हैं। हिजबुल्लाह को लेकर भी इजरायल और सऊदी एक रुख रखते हैं। माना जा रहा है कि सऊदी और इजरायल खुफिया जानकारी, प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं।

अंतरिक्ष के कोने में भी जिंदा है प्लूटो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। नासा के न्यू होरिजन्स स्पेसक्राफ्ट ने जब 2015 में अंतरिक्ष की उड़ान भरी थी तो उसने कुछ बेहद अदभुत तस्वीरें खींचीं। इसमें प्लूटो के सबसे बड़े क्रेटरों में से एक स्पुतनिक प्लैनिटिया की आश्चर्यजनक तस्वीरें भी शामिल थीं। तस्वीरों में सतह पर उकेरी हुई अजीबोगरीब आकृतियों के एक असामान्य पैटर्न को देखा जा सकता है। नासा के मुताबिक पॉलिगोनल या सेलुलर आकृतियों को बौने ग्रह को कवर करने वाली नाइट्रोजन बर्फ की परत में हीट एक्सचेंज का परिणाम माना जाता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी ने कहा कि स्पुतनिक प्लैनिटिया की सतह किनारे की ओर अंधेरी दिखाई देती है। जो संभवतः संरचना या सतह की बनावट में बदलाव की ओर संकेत करती है। सेल के किनारों पर उठे गहरे रंग के उभार शायद गंदे पानी के हिमखंड हैं जो सघन ठोस नाइट्रोजन में तैर रहे हैं।

एक्सेटर विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों सहित अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने बताया है कि कैसे इन असामान्य संरचनाओं ने अपना आकार लिया। स्पुतनिक प्लैनिटिया ग्रह के उत्तरी गोलार्ध में स्थित एक विशाल गड्ढा है, जिसमें किसी छोटे देश जितना बड़ा मैदान है।

ढाका में पुनर्निर्मित श्री श्री रमना काली मंदिर का उद्घाटन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बांग्लादेश। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीन दिवसीय बांग्लादेश के दौरे पर हैं। राष्ट्रपति ने आज ढाका में पुनर्निर्मित श्री श्री रमना काली मंदिर का उद्घाटन किया। बता दें कि 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सैनिकों ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था।

बांग्लादेश में पाकिस्तानी सेना ने तोड़ दिया था काली मंदिर, राष्ट्रपति ने किया उद्घाटन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। बांग्लादेश की यात्रा पर पहुंचे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ऐतिहासिक श्री रमणा काली मंदिर का यहां शुक्रवार को उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने इस मंदिर को भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक बताया। वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेना ने इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। कोविंद बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम. अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर ढाका आए हैं। राष्ट्रपति कोविंद वर्ष 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रपति और प्रथम महिला सविता कोविंद ने जीर्णोद्धार किए गए मंदिर में पूजा–अर्चना भी की। 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के तहत 1971 में पाकिस्तानी सेना ने मंदिर को पूरी तरह से तोड़ दिया था। कुछ खबरों के अनुसार, मंदिर को आग लगा दी गयी थी और इस घटना में श्रद्धालुओं तथा मंदिर में रहने वाले तमाम लोग मारे गए थे।

मंदिर का उद्घाटन करने के बाद भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि वह इसे 'मां काली के आशीर्वाद के तौर पर देखते हैं।' उन्होंने कहा, 'आज सुबह, मैं ऐतिहासिक श्री रमणा काली मंदिर गया, जहां मुझे उसका उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला। मैं इसे मां काली के आशीर्वाद के तौर पर देखता हूं।' कोविंद ने कहा, 'मुझे बताया गया है भारत और बांग्लादेश की सरकारों तथा लोगों ने इस मंदिर के जीर्णोद्धार में मदद की, जिसे पाकिस्तानी सेना ने मुक्ति संग्राम में ध्वस्त कर दिया था।' उस दौरान कई लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति ने कहा कि यह मंदिर भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है। 'यह मेरी बांग्लादेश यात्रा के शुभ समापन का प्रतीक है।'

मैं इसे मां काली के आशीर्वाद के तौर पर देखता हूं

अमेरिका के साथ सुरक्षा गारंटी योजना पर वार्ता को रूस तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। यूक्रेन संकट के खत्म होने का संकेत देते हुए रूस ने किसी भी समय अमेरिका के साथ इलाके की सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करने वाली वार्ता शुरू करने का प्रस्ताव किया है। राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने लंबित मामलों पर चर्चा के लिए इसी महीने राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ वार्ता होने की संभावना भी जताई है। बीती सात दिसंबर को दोनों नेताओं की वीडियो काल के जरिये वार्ता हो चुकी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा है कि सुरक्षा गारंटी पर वार्ता के लिए उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव किसी भी तटस्थ देश में जाने के लिए तैयार हैं। वहां पर क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखते हुए सुरक्षा गारंटी के लिए समझौते पर वार्ता हो सकती है। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि रूस यूक्रेन पर हमला करने नहीं जा रहा। लेकिन रूस को यह खतरा है कि यूक्रेन नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) में शामिल हो सकता है।